

अटॉर्नी जनरल द्वारा तैयार किया गया

आधिकारिक शीर्षक और सारांश

2

इस विधेयक का टेक्स्ट पृष्ठ 106 और राज्य सचिव की वेबसाइट voterguide.sos.ca.gov पर देखा जा सकता है।

- आर्थिक मंदी के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक सुरक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए धन प्रदान करने के लिए, 2014 में मतदाताओं द्वारा अनुमोदित, California के आपातकालीन फंड को बढ़ाता है।
- बजट आरक्षित निधि की अधिकतम सीमा को सामान्य फंड राजस्व के 10% से दोगुना करके 20% करता है, जिससे फंड की शेष राशि सामान्य फंड के 20% के बराबर न हो जाने तक बचत करने की आवश्यकता पैदा होती है।

- उन वर्षों में अतिरिक्त बचत की आवश्यकता होती है जब टैक्स राजस्व अधिक होता है।
- शिक्षा, राज्य ऋणों और पेंशन दायित्वों के लिए उपलब्ध बजट आरक्षित निधि को बढ़ाता है।

राज्य और स्थानीय सरकार पर पड़ने वाले शुद्ध राजकोषीय प्रभाव का विधायी विश्लेषक के अनुमान का सारांश:

- राज्य की बजट आरक्षित निधि अधिक होगी।

ACA 20 (प्रस्ताव 2) पर विधान मंडल द्वारा डाले गए अंतिम मत
(अध्याय 130, 2026 का विधान)

सीनेट:	हाँ 29	नहीं 2
विधानसभा:	हाँ 59	नहीं 8

विधायी विश्लेषक द्वारा विश्लेषण

परिप्रेक्ष्य

राज्य का बजट

राज्य अपना पैसा कैसे खर्च करता है? इस वर्ष, राज्य जनता को सेवाएँ प्रदान करने के लिए सामान्य निधि से लगभग \$250 बिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रहा है। सामान्य कोष वह खाता है जिसका इस्तेमाल अधिकांश सार्वजनिक सेवाओं के भुगतान के लिए किया जाता है। इस खर्च का लगभग आधा हिस्सा स्कूलों, सामुदायिक कॉलेजों और राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के लिए है। (राज्य का संविधान स्कूलों और सामुदायिक कॉलेजों के लिए खर्च का न्यूनतम स्तर निर्धारित करता है।) राज्य के खर्च का लगभग एक-तिहाई हिस्सा स्वास्थ्य और मानव सेवा प्रोग्रामों के लिए है, मुख्य रूप से राज्य के निम्न-आय वाले लोगों के

स्वास्थ्य बीमा प्रोग्राम, Medi-Cal के लिए। शेष राशि का अधिकांश हिस्सा जेलों, अदालतों और अन्य राज्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है।

राज्य राजस्व कैसे जुटाता है? आयकर राज्य का सबसे बड़ा टैक्स है। इससे सामान्य निधि के अधिकांश खर्च का भुगतान किया जाता है। अन्य प्रमुख टैक्सों में कॉर्पोरेशन टैक्स और बिक्री टैक्स शामिल हैं। आयकर का एक बड़ा हिस्सा उच्च आय वाले करदाताओं द्वारा चुकाया जाता है, जिनकी आय में अक्सर शेयरों और अन्य निवेशों से होने वाला लाभ शामिल होता है।

राज्य का राजस्व अप्रत्याशित होता है। राज्य का राजस्व साल-दर-साल काफी बढ़ता-घटता रहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राजस्व इस बात पर निर्भर करता है कि अर्थव्यवस्था और शेयर बाज़ार का प्रदर्शन कैसा है। जब परिस्थितियाँ अच्छी होती हैं, तो राजस्व

तेजी से बढ़ सकता है। जब परिस्थितियाँ खराब होती हैं, जैसे कि मंदी या शेयर बाज़ार में भारी गिरावट के दौरान, तो राजस्व में दसियों बिलियन डॉलर की कमी आ सकती है। गंभीर मंदी या बाज़ार में भारी गिरावट के दौरान, कुछ वर्षों में राजस्व में हुई कुल कमी सामान्य निधि के वार्षिक राजस्व के 50 प्रतिशत या उससे अधिक के बराबर हो सकती है।

राज्य को प्रत्येक वर्ष बजट संबंधी कुछ आवश्यकताओं को पूरा करना होता है। राज्य का संविधान विधान मंडल को प्रत्येक वर्ष संतुलित बजट पारित करने की आवश्यकता निर्धारित करता है। इसका अर्थ है कि राज्य ऐसा बजट नहीं अपना सकता जिसमें उपलब्ध धनराशि से अधिक खर्च किया जाए। इसके अतिरिक्त, राज्य का संविधान इस बात को सीमित करता है कि राज्य कितना टैक्स राजस्व खर्च कर सकता है। इस सीमा को “राज्य विनियोजन सीमा” कहा जाता है। कुछ प्रकार के खर्च—जैसे बुनियादी ढाँचे पर होने वाला खर्च—इस सीमा में नहीं गिने जाते हैं। अन्य सभी खर्च, जिनमें आरक्षित निधियों में रखी गई धनराशि भी शामिल है, इस सीमा में गिने जाते हैं।

आरक्षित निधियाँ

राजस्व में गिरावट आने पर आरक्षित निधियाँ राज्य को खर्च बनाए रखने में मदद करती हैं। जब अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तब राज्य धन को आरक्षित निधियों में जमा करता है। इसका अर्थ है कि इन अवधियों के दौरान धन को सार्वजनिक प्रोग्रामों पर खर्च करने के बजाय बचाकर रखा जाता है। जब अर्थव्यवस्था की स्थिति खराब होती है और राजस्व में गिरावट आती है, तब राज्य सार्वजनिक प्रोग्रामों पर खर्च बनाए रखने में मदद के लिए आरक्षित निधियों का उपयोग करता है। आरक्षित निधियाँ राज्य को बजट संतुलित करने के लिए खर्च में कुछ कटौतियों, टैक्स में वृद्धि और कर्ज लेने से बचने में मदद करती हैं। इस

समय, राज्य के पास आरक्षित निधियों में लगभग \$20 बिलियन डॉलर हैं, जिनका उपयोग किसी भी सार्वजनिक प्रोग्राम के लिए किया जा सकता है।

राज्य का संविधान राज्य को “मुश्किल समय के लिए कोष” में पैसे की बचत करने की आवश्यकता को निर्धारित करता है। राज्य का संविधान राज्य को प्रत्येक वर्ष सामान्य निधि के टैक्स राजस्व का 0.75 प्रतिशत राज्य के मुख्य ‘मुश्किल समय के लिए कोष’, जिसे बजट स्थिरीकरण खाता कहा जाता है, में जमा करने की आवश्यकता को निर्धारित करता है। मुश्किल समय के लिए कोष में मौजूद धन का उपयोग राज्य के किसी भी प्रोग्राम के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, जिन वर्षों में निवेश से होने वाले लाभ पर लगाए गए टैक्सों से प्राप्त राजस्व सामान्य से अधिक होता है, उन वर्षों में राज्य को मुश्किल समय के लिए कोष में अधिक धन जमा करना होता है। बजट संबंधी आपातस्थिति के दौरान, राज्य मुश्किल समय के लिए कोष में धन जमा करना बंद कर सकता है और/या उसमें से धन निकाल सकता है।

मुश्किल समय के लिए कोष के एक निश्चित स्तर तक पहुँच जाने के बाद बचत करना आवश्यक नहीं रहता है। जब मुश्किल समय के लिए कोष में धनराशि सामान्य निधि टैक्स के 10 प्रतिशत तक पहुँच जाती है, तो राज्य को अतिरिक्त धन जमा करने की आवश्यकता नहीं रहती है। जो धन मुश्किल समय के लिए कोष में जमा किया जाता, उसे इसके बजाय बुनियादी ढाँचे (जैसे राजमार्गों और आवास) पर खर्च किया जाना आवश्यक होता है।

ऋण

राज्य पर विभिन्न प्रकार के ऋण बकाया हैं। राज्य पर \$250 बिलियन डॉलर से अधिक का ऋण है। इनमें बुनियादी ढाँचे के लिए ऋण और राज्य कर्मचारियों द्वारा अर्जित पेंशन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के स्वास्थ्य

लाभों से संबंधित ऋण शामिल हैं। राज्य सामान्य निधि की लागतों का भुगतान करने में मदद के लिए कभी-कभी अन्य राज्य निधियों से भी धन उधार लेता है। राज्य के ऋणों का भुगतान समय के साथ, आम तौर पर किसी निर्धारित समय-सारणी या योजना के अनुसार किया जाता है। प्रत्येक वर्ष, राज्य अपने ऋणों के भुगतान के लिए राशि चुकाता है।

राज्य का संविधान राज्य को पेंशन और स्वास्थ्य लाभों से संबंधित ऋणों के लिए अतिरिक्त भुगतान करने की आवश्यकता को निर्धारित करता है। राज्य का संविधान राज्य को प्रत्येक वर्ष सामान्य रूप से किए जाने वाले ऋण भुगतानों के अतिरिक्त भुगतान करने की आवश्यकता को निर्धारित करता है। इन अतिरिक्त ऋण भुगतानों की राशि उतनी ही होती है जितनी राशि प्रत्येक वर्ष शुरुआत में मुश्किल समय के लिए कोष में जमा की जाती है। राज्य इन अतिरिक्त ऋण भुगतानों का उपयोग केवल दीर्घकालिक पेंशन और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित ऋणों को चुकाने के लिए कर सकता है। इन ऋणों के लिए अतिरिक्त भुगतान करने से लंबे समय में राज्य के धन की बचत होती है।

2030 के बाद अतिरिक्त ऋण भुगतान वैकल्पिक होंगे। 2030 में अतिरिक्त ऋण के भुगतान किए जाने की आवश्यकता समाप्त होती है। उसके बाद, विधान मंडल और गवर्नर अतिरिक्त ऋण भुगतान के लिए निर्धारित धनराशि को इसके बजाय मुश्किल समय के लिए कोष में जमा करने का निर्णय ले सकते हैं। या, विधान मंडल और गवर्नर कम अतिरिक्त ऋण का भुगतान करने और शेष धनराशि को मुश्किल समय के लिए कोष में जमा करने का निर्णय ले सकते हैं।

प्रस्ताव

मुश्किल समय के लिए कोष में अधिक बचत करना
प्रस्ताव 2 के तहत राज्य को मुश्किल समय के लिए कोष में तब तक धन जमा करना आवश्यक होता है, जब तक कि उसमें जमाराशि सामान्य निधि टैक्स के 20 प्रतिशत तक न पहुँच जाए (सामान्य निधि टैक्स के 10 प्रतिशत के बजाय)। इसके अतिरिक्त, जिन वर्षों में निवेश से होने वाले लाभ पर लगाए गए टैक्स से प्राप्त राजस्व बहुत अधिक होगा, जैसे कि शेयर बाज़ार में तेज़ी के दौरान, राज्य मुश्किल समय के लिए कोष में और भी अधिक धन जमा करेगा।

अतिरिक्त ऋण भुगतानों की अवधि बढ़ाना और उनका विस्तार करना। प्रस्ताव 2 के तहत राज्य को 2040 तक अतिरिक्त ऋण भुगतान करना भी आवश्यक होगा (2030 तक के बजाय)। इन ऋण भुगतानों की राशि उतनी ही होगी जितनी राशि प्रत्येक वर्ष शुरुआत में मुश्किल समय के लिए कोष में जमा की जाती है। इसके अतिरिक्त, अतिरिक्त ऋण भुगतानों के लिए अलग रखी गई राशि का उपयोग अधिक व्यापक उद्देश्यों के लिए किया जा सकेगा। विशेष रूप से, इन भुगतानों का उपयोग स्कूलों और सामुदायिक कॉलेजों को आवश्यक भुगतान करने, अन्य राज्य निधियों से ली गई उधार राशि चुकाने और संघीय सरकार से लिए गए कुछ ऋणों का वापसी भुगतान करने के लिए किया जा सकेगा।

मुश्किल समय के लिए कोष में जमा राशि को राज्य विनियोजन सीमा में गिने जाने के तरीके में बदलाव।
मुश्किल समय के लिए कोष में जमा की गई राशि को राज्य विनियोजन सीमा में नहीं गिना जाएगा। इसके बजाय, जब यह धन निकाला जाएगा, तब इसे इस सीमा में गिना जाएगा।

अन्य जमा राशियों को राज्य विनियोजन सीमा में गिने जाने के तरीके में बदलाव। जब राजस्व में तेज़ी से वृद्धि होती है, तब राज्य के पास निधियाँ अलग रखने के लिए एक खाता है। इन निधियों को अलग रखकर, राज्य उस समय अत्यधिक खर्च करने से बच सकता है जब राजस्व के अनुमान विशेष रूप से अनिश्चित हों। प्रस्ताव 2 के तहत, इस खाते में जमा की गई धनराशि को भी राज्य विनियोजन सीमा में नहीं गिना जाएगा। इसके बजाय, जब यह धन निकाला जाएगा, तब इसे इस सीमा में गिना जाएगा। यह छूट प्रत्येक वर्ष सामान्य निधि टैक्स के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती थी।

राजकोषीय प्रभाव

बजट आरक्षित निधियाँ अधिक होंगी। मुश्किल समय के लिए कोष में तब तक धनराशि जमा करना जारी रखने की आवश्यकता के कारण, जब तक कि उसकी शेष राशि सामान्य निधि टैक्स के 20 प्रतिशत तक न पहुँच जाए, राज्य समय के साथ अधिक बचत करेगा। इसके अतिरिक्त, जब राजस्व में तेज़ी से वृद्धि हो रही

हो, तब अधिक धनराशि जमा करने से राज्य कुछ वर्षों में मुश्किल समय के लिए कोष में अधिक बचत कर सकेगा। अधिक आरक्षित निधियाँ होने से राजस्व में गिरावट आने पर बजट को संतुलित करना कुछ हद तक आसान हो जाएगा।

संभवतः अधिक ऋण के भुगतान। राज्य को 2040 तक अतिरिक्त ऋण का भुगतान करने की आवश्यकता निर्धारित करने से, राज्य प्रस्ताव 2 के बिना किए जाने वाले ऋण भुगतानों की तुलना में अधिक ऋण भुगतान कर सकता है।

मुख्य रूप से इस विधेयक का समर्थन या विरोध करने के लिए गठित समितियों की सूची के लिए sos.ca.gov/campaign-lobbying/cal-access-resources/measure-contributions/2026-ballot-measure-contribution-totals पर जाएँ।

समिति के शीर्ष 10 योगदानकर्ताओं तक पहुँचने के लिए fppc.ca.gov/transparency/top-contributors.html पर जाएँ।